

चदचत् प दत्त न , तत् श श' वे दने
मनुज मुने, नमे मम ग से

सु ध न उ व ध चेतन चेतन स्वरूप स्थ त
प्रो त भेद, क्लेश कर्मघ्नेष देष सस्पष्ट,

सु ध व क न्ध क तश्च इ न्ध लैश्च , व शि क्त तेजस् सैश ल व त्स ल
म र्दो अर्जो, सै र्द स करु म धु' ग ध' औद', च तु' स्थै' धै'
शै' प क्रम, स्त क म स्त सङ्कल, क तत् क तश्च सखे कल
गु ग रै ग म वि, प ब्रह्म भूत, पुरुषोत्तम, श्र ङ्ग श न, अस्मत् स्म म्, प्रबुद्ध
न्त न न्त दसैक स अत्म सुध व , तदेकनुधवः, तदेकप्र : प प'
भगवन्, वशदत्त अनुधवेन, न न्त मनुध , तदनुधवजन्त अन्ध क तश्च
प्र त क त, अशेष वस्थे च त अशेष शेषैकैक तस्मा, न्त कङ्क' भव न!

सु त्म न्त न न्त दसैक स अत्म सुध व न्तु सन्ध न्ध क,
भगवन्ध क तश्च , सु ध खल गु ग नुधवजन्त, अन्ध क तश्च
प्र द क त, अशेष वस्थे च त, अशेष शेषैकैक तस्मा, न्त कैङ्क' प्रपु
भूतभक्त, तदुप स र्ग इ न, तदुप स म च न क्र , तदनुगु स त्कत्
अ स्त क द स म्स्त अत्म गु व नः, दुरुत् न्त त द्व' इ न क्र न्तु ,
अ न द प प व स न म वि न्त न्मग्नः, तल्लैलवत् दसु न वत्, दुर्वेच
उगु क्ष क्ष सध व, अचेतन प्रकत व पस्मा, दुत भगवन् म ते त
स्वप्रकशः, अ न ध व ध स च द,
अन्त अश्व वस्त्रसन् कर्मेश प्रथतः, अन्त अन्त कल स म क्ष प,
अदष्ट सन्त पः, न खल जन्तु ज त श !, श्र मन् न ! तव च
वन्दुग , च म प्रद्ये!

एवमवस्थितस प, अर्थत्त म त्रे प म करु को भगवन्, सु नुधव प्रतेजन्त

